हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 134 देहरादून, सोमवार, 14 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए धरना

3

पिथौरागढ़ में निर्माण कार्य में तेजी लायी जाए : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 14 नवम्बर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ स्थित विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ जनपद में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में जो भी निर्माण कार्य गतिमान है उनमें तेजी लायी जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पीएमजीएसवाई एवं एनएच के अधिकारियों को सड़क निर्माण व सड़क चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पोर्ट कॉलेज लेलू के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। वहीं जिला कारागार पिथौरागढ़ के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए ।उन्होंने पंडित नैन सिंह सर्वेयर पर्वतारोहण ट्रेनिंग सेंटर मुनस्यारी को संबंधित विभाग को हैंड ओवर करने तथा शेष कार्यों का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजने के निर्देश भी संबंधित कार्यदाई संस्था के अधिकारी को दिए। उन्होंने सभी संबंधित कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो निर्माण कार्य पूर्ण हो गए हैं उनके हैंडओवर की कार्रवाई आरम्भ कर दी जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनपद में विकास कार्यों की प्रगति में सुधार की जरूरत है, लिहाजा सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझें तथा विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें ताकि जनपद की जनता उन विकास योजनाओं का शीघ्र लाभ ले सके। उन्होंने कहा कि कई वर्ष पूर्व शुरू हुए निर्माण कार्य भी अभी तक पूर्ण नहीं हुए हैं जोकि चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पैसा चाहे राज्य सरकार का हो चाहे केंद्र सरकार का हो, उसका सुनियोजित ढंग से उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि उस धनराशि का जनता को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री देश के सीमांत जनपदों के विकास के प्रति गंभीर है, लिहाजा सभी अधिकारी सीमांत जनपद पिथौरागढ़ को एक आदर्श जनपद के रूप में विकसित करें।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सांसद अजय टम्टा, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोहरा,विधायक डीडीहाट बिशन सिंह चुफाल, आयुक्त कुमाऊँ मंडल दीपक रावत, जिलाधिकारी रीना जोशी, एसपी लोकेश्वर सिंह आदि उपस्थित थे।

औद्योगिक इकाई में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ बनेगा : महिला आयोग

राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष ने सिडकुल क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सितारगंज , 14 नवम्बर, राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति साह मिश्रा ने सिडकुल क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया। मौके पर वहां कार्य कर रही महिलाओं से बातचीत की। कुछ कंपनियों में विशाखा गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा था। जिस पर उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए इकाइयों में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिए शिकायत निवारण प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश दिए और इसकी तत्काल सूचना से अवगत कराने को कहा।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ज्योति साह मिश्रा ने सिडकुल क्षेत्र में विविन कंपनी का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण से कंपनी में हड़कंप मच गया। उन्होंने कंपनी में जाकर सीधे वहां कार्य कर रही महिलाओं से बातचीत की और उनसे उनके कार्य आदि के बारे में जानकारी ली। अधिकतर महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं दिखी। उन्हें विशाखा गाइडलाइन आदि के बारे में कुछ पता नही था ।उन्होंने महिलाओं को उनके अधिकारों व कानूनी जानकारियां दी।

■ कामकाजी महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

उन्होंने कहा कि सभी कंपनियां अपने वहां आवश्यक रूप से आपातकालीन नंबर, महिला हेल्पलाइन आदि नंबर चस्पा करें ।ताकि किसी भी महिला के साथ कोई उत्पीड़न, शोषण या कार्य के दौरान बुरा बर्ताव होता है तो वह आपातकालीन नंबरों पर फोन कर शिकायत कर सकती है। वही सभी कंपनी में शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन करें और समय-समय पर उसकी बैठक करें। इसके लिए अपना रजिस्टर मेंटेन करें।

इस शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के जरिए महिलाओं की समस्या तो सुनें ही वही इन कामकाजी महिलाओं को उनके अधिकारों की भी जानकारी दें। अगर काउंसलिंग की जरूरत हो वह भी कराएं। इस दौरान कंपनी के जनरल मैनेजर मैनेजर सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड जनजातीय शोध संस्थान का जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर से शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 नवंबर , उत्तराखण्ड जनजातीय शोध संस्थान एवं संग्रहालय, देहरादून द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 15 नवम्बर से 17 नवम्बर 2022 तक तीन दिवसीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन टी०आर०आई० परिसर, हरिपुर नवादा दून विश्वविद्यालय मार्ग मोधरोवाला, देहरादून में किया जा रहा है। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जायेगा। सास्कृतिक संध्या में गढ़रन नरेन्द्र सिंह नेगी, लोक गायक किशन महिपाल, प्रहलाद मेहरा एवं विभिन्न जनजातीय सांस्कृतिक दलों द्वारा प्रस्तुतिया दी जायेगी। निदेशक जनजाति कल्याण श्री एस०एस०टोलिया ने बताया कि. कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखण्ड राज्य में निवासरत पाँचों जनजातियों, कुमाउनी तथा गढवाली सांस्कृतिक दलो के साथ छत्तीसगढ़ के जनजातीय कलाकारों द्वारा भी प्रस्तुति दी जायेगी।

पलायन निवारण आयोग ने गांवों का सर्वे किया पूरा, दो माह बाद सामने आएगी तस्वीर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 नवम्बर , उत्तराखंड के गांवों से पलायन की रोकथाम के लिए पांच वर्षों में उठाए गए सरकारी कदमों के क्या परिणाम रहे, कितने प्रवासियों ने रिवर्स पलायन किया, गांव लौटने के बाद उनकी आजीविका कैसे चल रही है और सरकार के प्रयासों से उन्हें कितना लाभ मिला, ऐसे तमाम प्रश्नों पर दो माह बाद तस्वीर साफ हो जाएगी।पलायन निवारण आयोग ने इस सिलसिले में सभी गांवों का सर्वे कर लिया है। अब आंकड़ों का विश्लेषण शुरू किया गया है। प्रयास है कि अगले वर्ष जनवरी मध्य तक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंप दी जाए। इससे पहले आयोग ने वर्ष 2018 में राज्य में पलायन की स्थिति, कारण और समाधान से संबंधित पहली रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी।

उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग का गठन किया गया

प्रदेश के गांवों से निरंतर हो रहे पलायन को लेकर चिंता तो जताई जाती रही, लेकिन इसका कोई आधिकारिक आंकड़ा सरकार के पास नहीं था। लंबी प्रतीक्षा के बाद राज्य की पिछली त्रिवेंद्र सरकार के कार्यकाल में इसे लेकर उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग का गठन किया गया।आयोग ने वर्ष 2018 में राज्य के सभी 16 हजार से अधिक गांवों का सर्वे कर रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इसमें बात निकलकर सामने आई कि राज्य में निर्जन हो चुके गांवों की संख्या 1702 पहुंच गई है। राज्य से 1.18 लाख लोग स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं, जबकि 3.86 लाख ने अस्थायी रूप से पलायन किया। आयोग ने पलायन के कारण, कहां से कहां पलायन समेत अन्य बिंदुओं पर भी रिपोर्ट दी।आयोग समय-समय पर भी जिलों की सामाजिक-आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के अलावा गांवों के विकास के दृष्टिगत सुझाव देता आ रहा है। इसी कड़ी में सरकार ने पूर्व में 400 से अधिक ऐसे गांव चयनित किए, जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक पलायन हुआ है।वहां के लिए तमाम विभागों की योजनाएं साथ संचालित की गई। इसके अलावा कोरोनाकाल में बड़ी संख्या में प्रवासी वापस गांव लौटे तो इनकी आजीविका के दृष्टिगत मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अमल में लाई गई। साथ ही मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास योजना भी शुरू की गई।

सभी 7791 ग्राम पंचायतों के गांवों का सर्वे किया

सरकार के इन प्रयासों के क्या परिणाम रहे, वर्तमान में पलायन घटा है अथवा बढ़ा, इसे लेकर आयोग ने हाल में सभी 7791 ग्राम पंचायतों के गांवों का सर्वे किया। आयोग के सदस्यों ने भी गांवों में जाकर स्थिति की जानकारी ली।आयोग के सूत्रों के अनुसार सर्वे में बात सामने आई कि सभी जिलों में काफी संख्या में प्रवासी वापस लौटे हैं। इनमें कई खेती-बाड़ी, पशुपालन, स्वरोजगार जैसे कार्यों में जुटे हैं। इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि जो प्रवासी यहां रह रहे हैं, उनकी आजीविका कैसे चल रही है।उन्हें किस प्रकार की सहायता की आवश्यकता है। इसके अलावा सरकार के प्रयासों से पलायन प्रभावित गांवों में क्या-क्या कार्य हुए और इनका कितना लाभ मिला है। लोग क्या चाहते हैं, ऐसे कई बिंदुओं पर बातचीत की गई। आंकड़ों का विश्लेषण पूर्ण होने पर यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी।

महिला के हाँथ पर उगी नाक, फिर हुआ कमाल

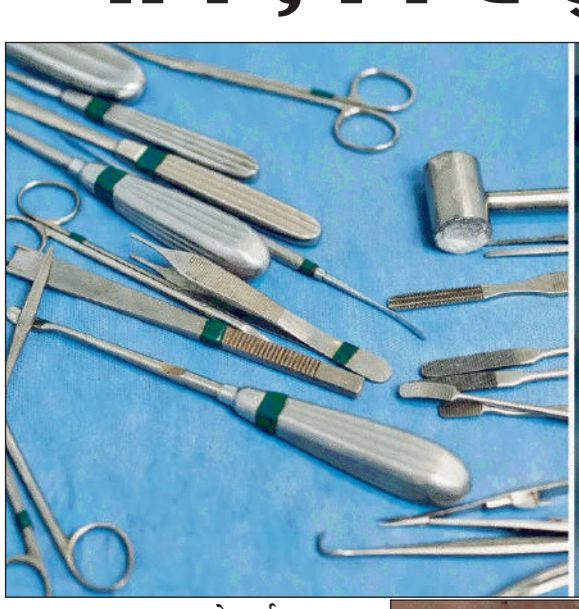

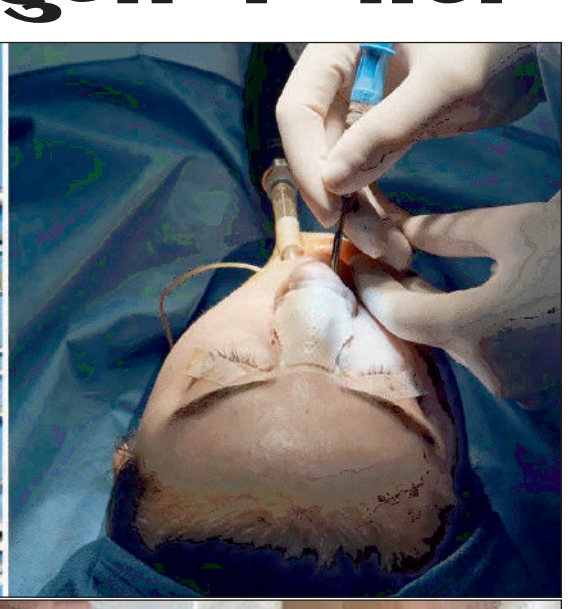

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट, 14 नवंबर। मेडिकल की दुनिया चमत्कारों से भरी है। असंभव भी आजकल संभव हो रहा है। सर्जरी के ज़रिये बदसूरत को खूबसूरत और दिव्यांग को सक्षम बनाया जा रहा है। बीते दिनों डॉक्टरों ने एक ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है. दरअसल, डॉक्टरों ने एक महिला की बांह पर ही नाक उगा दी और फिर उसे वहां से निकाल कर चेहरे पर ट्रांसप्लांट कर दिया...

बांह पर नाक उगाकर किया ट्रांसप्लांट

आज न सिर्फ विज्ञान बल्कि डॉक्टरी के क्षेत्र में भी इंसान ने इतनी तरक्की कर ली है कि अब कोई भी काम असंभव सा नहीं रह गया है. एक समय था जब लोगों की किडनी खराब हो जाती थी या हार्ट में कोई दिक्कत आती थी तो फिर इंसान को बचाना मुश्किल हो जाता था, लेकिन आज के समय में अब ये सबकुछ संभव है. किडनी ट्रांसप्लांट से लेकर हार्ट ट्रांसप्लांट करके लोगों की जान बचाई जा सकती है, पर क्या आपने कभी ऐसा सुना है कि डॉक्टरों ने शरीर का कोई अंग उगा दिया हो? जी हां, फ्रांस में डॉक्टरों ने एक ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है, जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान है...

दरअसल, डॉक्टरों ने एक महिला की बांह पर ही नाक उगा दी और फिर उसे वहां से निकाल कर चेहरे पर ट्रांसप्लांट कर दिया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला को पहले कैंसर था. ऐसे में साल 2013 में उसने इलाज के दौरान अपनी नाक का एक हिस्सा खो दिया था, जिसके बाद उसने अपनी नाक वापस पाने के लिए कई प्रयास किए, पर सफलता नहीं मिल पाई. हालांकि अब डॉक्टरों की अद्भुत चिकित्सा प्रक्रिया से उसकी नाक वापस मिल गई है, जिसके बाद वह काफी खुश है और डॉक्टरों का शुक्रिया अदा किया है.

डॉक्टरों ने पहले महिला की बांह पर एक नाक उगाई और उसे ढकने के लिए एक स्किन ग्राफ्ट का उपयोग किया. फिर नाक को बढ़ने के लिए दो महीने तक का समय लिया गया. उसके बाद डॉक्टरों ने उस नाक को बांह पर से हटाकर महिला के चेहरे पर सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट कर दिया. महिला करीब 10 दिन तक अस्पताल में भर्ती रही, जबकि तीन हफ्ते तक एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन किया. अब महिला बिल्कुल ठीक है और अपनी नई नाक पाकर तो एकदम खुश है.

अगले 24 घंटे पहाड़ों में बारिश और बर्फबारी के आसार, मैदानी इलाकों में बढ़ेगी ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में अगले 24 घंटे में पर्वतीय इलाकों के साथ ही मैदानों में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना जताई जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने उत्तरकाशी, चमोली ,बागेश्वर, पिथौरागढ़ और रुद्रप्रयाग के ऊंचाई वाले इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ ही बर्फबारी की संभावना जताई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के मुताबिक 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में अगले चौबीस घंटे में हल्की बारिश के साथ ही बर्फबारी की संभावना है। ऐसा होता है तो मैदानी इलाकों में भी ठंड बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि

राजधानी दून में बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में गर्जना के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना है।

पशुपालकों को राहत, पर्वतीय क्षेत्रों में पशुधन बीमा पर प्रीमियम राशि में 80 प्रतिशत तक की छूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,14 नवंबर। उत्तराखंड सरकार की ओर से पशुओं का बीमा कराने के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे बीमारी या किसी आपदा से पशु की मृत्यु होने पर आर्थिक नुकसान की भरपाई की जा सके। पर्वतीय क्षेत्रों में पशु बीमा कराने पर सरकार प्रीमियम राशि में 80 प्रतिशत तक छूट दे रही है। विभाग ने इस साल 1.75 लाख पशुओं का बीमा कराने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में पशुधन बीमा के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

पशुपालन निदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने बताया कि प्रदेश में आठ लाख से अधिक पशुपालक हैं, जो गाय, भैंस, भेड़-बकरी, घोड़े-खच्चर का व्यवसाय करते हैं। आपदा और बीमारियों से पशुधन की हानि होती है। ऐसे में बीमा न होने पर पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। पशुधन बीमा कराने के लिए प्रदेश भर में 23 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

पशुधन बीमा कराने में केंद्र व राज्य सरकार की ओर से पर्वतीय क्षेत्रों में बीपीएल, एससी, एसटी वर्ग के पशुपालकों को प्रीमियम राशि में 80 प्रतिशत की छूट है। 20 प्रतिशत राशि ही पशुपालकों से ली जाएगी। इसी तरह सामान्य वर्ग के पशुपालकों को 60 प्रतिशत छूट, मैदानी क्षेत्रों के बीपीएल, एससीएसटी वर्ग को 70 प्रतिशत और सामान्य वर्ग को 50 प्रतिशत तक की छूट है। निदेशक ने पशुपालकों से आग्रह किया कि पशुधन बीमा अवश्य कराएं।

गढ़वाली और कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए धरना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 14 नवम्बर, उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच दिल्ली के द्वारा गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए जन्तर मन्तर में एक दिन के धरने का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्र सरकार को ज्ञापन सौंपा गया। जिसम मांग की गई कि सरकार शीघ्र ही गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करें। उत्तराखण्ड लोक भाषा साहित्य मंच दिल्ली के संरक्षक डा विनोद बछेती न कहा कि हम दिल्ली में गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं की कक्षाओं का संचालन कर रहे हैं । आज समय आ गया है कि गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

उत्तराखण्ड लोक भाषा साहित्य मंच दिल्ली के संयोजक दिनेश ध्यानी ने कहा कि गढ़वाली कुमाऊनी हजार साल से भी अधिक पुरानी भाषायें हैं ।इनमें हर विधा में लिखा गया है। साहित्य अकादमी, हिन्दी अकादमी समेत सरकारी स्तर पर इन भाषाओं के साहित्यकारों को समय समय पर सम्मान दिया गया है। इसलिए सरकार को इन भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर उत्तरखण्ड राज्य के वरिष्ठ आंदोलनकारी पूर्व मंत्री व कांग्रेस के उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि सरकार शीघ्र ही गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करें। इस दिशा में उत्तराखण्ड सरकार को सदन से प्रस्ताव पास करना चाहिए।

गढ़वाल हितैषिणी सभा के अध्यक्ष अजय बिष्ट, वरिष्ठ रंगकर्मी संयोगिता ध्यानी , महेश चंद्र, महावीर सिंह राणा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए व गढ़वाली कुमाऊनी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने का पुरजोर समर्थन किया।

समन्वयक श्री अनिल पन्त ने कहा कि जब तक हमारी मांग नहीं मानी जाती हमारा आन्दोलन लगातार चलना चाहिए। इस संबंध में उत्तराखण्ड के सभी साहित्यकारों से बात की जायेगी।

साहित्यकारों श्री वरिष्ठ साहित्यकार श्री ललित केशवान, रमेश घिल्डियाल, जयपाल सिंह रावत, दर्शन सिंह रावत, गिरधारी सिंह रावत, जगमोहन सिंह रावत जगमोरा, प्रदीप रावत खुदेड, श्रीमती रामेश्वरी नादान, सुशील बुडाकोटी, ओमप्रकाश आर्य, प्रतिबिंब बड़थ्वाल, द्वारिका प्रसाद चमोली, केशर सिंह नेगी, बृजमोहन शर्मा वेदवाल, अनोप सिंह नेगी, रंगकर्मी खुशहाल सिंह बिष्ट, अनिल कुमार पन्त, उमेश बन्दूणी, सत्येन्द्र सिंह रावत, देवीसिंह रावत, प्रताप सिंह थलवाल, आदि ने भाग लिया वो अपनी रचनाओं के माध्यम से भाषा आन्दोलन को अपना समर्थन दिया। सभी न हाथों में नारे लिखी

तख्तियां लेकर सरकार को अपनी बात समझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन श्री रमेश घिल्डियाल वह श्री दर्शन सिंह रावत ने संयुक्त रूप से किया। केन्द्र सरकार को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व में भी दो ज्ञापन सरकार को सौंपे जा चुके हैं लेकिन अभी तक कुछ पहल नहीं हुई। सभी न आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार हमारी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल जरूर करेंगी।

SSP पौड़ी श्वेता चौबे ने पौड़ी में व्यापक स्तर पर शुरू किया सत्यापन अभियान

बिना सत्यापन किरायेदार रखने वालों से वसूले 6 लाख 60 हजार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा बाहरी राज्यों, जनपद पौड़ी में आने वाले, निवासरत एवं कार्यरत व्यक्तियों का जनहित में सत्यापन हेतु पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार समस्त थाना प्रभारियों को प्रत्येक रविवार को अपने-अपने थाना क्षेत्र में छात्रों, श्रमिकों एवं किरायेदारों, घरेलू नौकरों, फड़-फेरी, मजदूरों, बाहरी व्यक्तियों, संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों के आगमन पर अग्रिम सत्यापन की कार्यवाही हेतु कड़े निर्देश दिये गये है।

जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार शेखर चन्द्र सुयाल के नेतृत्व, पुलिस उपाधीक्षक कोटद्वार गणेश लाल कोहली, पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर श्यामदत्त नौटियाल, पुलिस उपाधीक्षक सदर पौडी प्रेम लाल टम्टा, पुलिस उपाधीक्षक ऑप्स विभव सैनी के पर्यवेक्षण में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में वृहद स्तर पर डोर टू डोर सत्यापन अभियान चलाकर छात्रों, श्रमिकों एवं किरायेदारों, घरेलू नौकरों, फड़-फेरी, मजदूरों, बाहरी व्यक्तियों व संदिग्ध रूप से घूम रहे व्यक्तियों के दृष्टिगत 346 किरायेदार, 192 मजदूर, 60 रेड़ी/ठेली वालों की सत्यापन की कार्यवाही की गयी।

सत्यापन न करने वाले 66 मकान मालिकों के विरुद्ध उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम की धारा- 83 के तहत रु0 6 लाख 60 हजार/- के चालान वसूले गए।

एसएसपी श्वेता चौबे ने की अपीलः-

👉 सम्बन्धित व्यक्ति द्वारा सत्यापन प्रपत्र एवं प्रस्तुत किये जा रहे दस्तावेजों के सम्बन्ध में शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा

👉 उक्त के अतिरिक्त व्यक्ति द्वारा सत्यापन की कार्यवाही के समय अथवा

तत्पश्चात अपने मूल निवास से सम्बन्धित थाना/जनपदीय कार्यालय से निर्धारित प्रारुप में सत्यापन रिपोर्ट/चरित्र प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।

👉 व्यक्ति द्वारा निर्धारित सत्यापन प्रपत्र के अनुसार ही सूचना भरकर शपथ पत्र तथा सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी।

👉 व्यक्ति के सत्यापन के सम्बन्ध में कूटरचित दस्तावेज तथा गलत शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर उसके विरुद्ध भारतीय दण्ड विधान की सुसंगत धाराओं में विधिक कार्यवाही की जायेगी।

👉 यदि व्यक्ति संदिग्ध लगे तो आप नजदीकी थाना या आपातकालीन नम्बर डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस का सहयोग कर अपराध नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उत्तराखंड के किसानों को सहकारिता विभाग दे रहा विदेश जाने का मौका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 नवम्बर। सहकारिता विभाग अब किसानों को विदेश भेजने की तैयारी में है. डिपार्टमेंट ने सभी सीडीओ, डीएम को अपने-अपने जिले से एक-एक प्रगतिशील किसान की लिस्ट देने को कहा है, जो अपने अपने फील्ड में अच्छा काम कर रहे हैं. ऐसे किसानों को उन्नत खेती के लिए विदेशों में विजिट करवाया जाएगा, साथ ही 10-10 किसानों को हिमाचल प्रदेश, लेह, लद्दाख, राजस्थान जैसे प्रदेशों में विभागीय खर्चे पर वहां के मॉड्यूल को समझने के लिए भेजा जाएगा.इसके अलावा बद्री घी को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रपोजल बनाने के भी निर्देश दिए.सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि सेब, डेयरी, भेड़ बकरी, मछली के 10- 10 प्रगतिशील किसानों को अध्ययन के लिए कश्मीर, हिमाचल, गुजरात , गोवा, आंध्र प्रदेश , राजस्थान, लेह, लद्दाख भेजा जाएगा, ताकि किसान वहां का अध्ययन कर अपने यहां और प्रगति कर सकें.उन्होंने कहा कि 2019 से राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना 4 विभागों द्वारा किसानों की

आमदनी दोगुनी कर रही है. इसके अच्छे नतीजे अब सामने आ रहे हैं. मंत्री डॉ रावत ने कहा कि परियोजना कोऑपरेटिव कलेक्टिव फार्मिंग भी कर रही है जौनपुर और चंपावत में सब्जी और अदरक की पैदावार किसान अच्छा कर रहे हैं.

मुख्यमंत्री धामी से फिल्म अभिनेता नवाज़ुद्दीन सिद्दिकी ने भेंट की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री धामी से फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दिकी ने भेंट कीदेहरादून , 14 नवम्बर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फिल्म अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दिकी ने भेंट की। नवाजुद्दीन सिद्दिकी उत्तराखण्ड में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। रोतु की बेली, चंबा, मसूरी एवं देहरादून में उनके द्वारा फिल्मांकन किया गया। उन्होंने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए उत्तराखण्ड में बहुत अच्छा वातावरण है। उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौन्दर्य फिल्मांकन के लिए लोगों को आकर्षित कर रहा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड में हवाई, रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है। उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों में फिल्मांकन की दृष्टि से अनेक रमणीक स्थल हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन क्षेत्रों में अच्छे होटल खुलें, इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। फिल्मों की शूटिंग के लिए राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है।इस अवसर पर फिल्म अभिनेता हेमन्त पांडे एवं फिल्म जगत के अन्य कलाकार मौजूद थे।

देहरादून की चमकेगी हर गली, नगर निगम का 'स्वच्छ वार्ड सुंदर दून' अभियान शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 नवम्बर। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में नगर निगम की तरफ से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए 'स्वच्छ वार्ड सुंदर दून' अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत हर वार्ड को स्वच्छ बनाने के लिए काम किया जाएगा. नगर स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खन्ना ने बताया कि देहरादून के 100 वार्डों को स्वच्छ बनाने के लिए 'स्वच्छ वार्ड सुंदर दून' अभियान चलाया जा रहा है.

अब तक 10 से 11 वार्डों को साफ किया जा चुका है. स्वच्छता अभियान जारी है. जल्द ही पूरे शहर को साफ कर इस अभियान को सफल बनाया जाएगा.उन्होंने कहा कि प्रत्येक शनिवार और रविवार को एक-एक वार्ड को साफ किया जाएगा, जिससे पूरे देहरादून शहर को साफ और सुंदर बनाया जा सके साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है.

नगर निगम के द्वारा 'स्वच्छ वार्ड सुंदर दून' अभियान का आगाज पिछले महीने वार्ड एक मालसी के प्राचीन शिव मंदिर से किया गया था, जिसमें मेयर सुनील उनियाल गामा ने भी प्रतिभाग किया था. वहीं, बीते शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भी इस अभियान में शामिल हुए थे.देहरादून को स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम की इस पहल को लोगों द्वारा सराहा जा रहा है. स्थानीय निवासी डॉ. आरवी सिंह ने कहा कि शहर को साफ बनाने के लिए नगर निगम के द्वारा की गई यह पहल बेहतरीन है. इस अभियान से राजधानी चमक उठेगी और अन्य निगम भी इससे प्रेरित होंगे.जहां एक तरफ नगर निगम के इस अभियान से कुछ लोग संतुष्ट नजर आ रहे हैं. तो वहीं, दूसरी तरफ देहरादून शहर में कई जगह पड़े कूड़े के ढेर से लोग परेशान हैं.बता दें कि, देहरादून नगर निगम ने शीशमबाड़ा कूड़ा निस्तारण प्लांट का संचालन कर रैमकी कंपनी को बाहर करने के लिए आखिरी कदम बढ़ाया है. कई दिन पहले कंपनी ने निगम को काम छोड़ने का नोटिस दिया था और फिर नगर निगम के द्वारा दूसरी कंपनी को टेंडर दे दिया गया था.

आसान हुआ बेटियों के लिए उच्च शिक्षा का सपना पुराने प्रारूप पर ही स्वीकार होंगे आवेदन

देहरादून 14 नवम्बर, उत्तराखंड में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों के लिए उच्च शिक्षा का सपना पूरा करने में अब औपचारिकताओं का अवरोध खत्म हो गया। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने आवेदन की दिक्कतों को देखते हुए पुराने प्रारूप पर आवेदन स्वीकार किए जाने के निर्देश विभागीय सचिव को दिए हैं। प्रदेश की बेटियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद करने के लिए करीब एक दशक पर गौरा देवी योजना शुरू की गई थी। पहले योजना के तहत 25 हजार रुपये दिए जाते थे। कई बार संशोधन के बाद अब इंटर पास करने वाली बेटियों को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए 51 हजार रुपये दिए जाते हैं। लेकिन अब सरकार की ओर से नए फॉरमेट का आवेदन मांगा गया।इसमें सबसे खास बिंदु आवेदन में तीन महीने के पानी के बिलों की प्रति देने का है। ग्रामीण

क्षेत्रों में अधिकतर परिवार हैंडपंप से प्यास बुझाते हैं। ऐसे में बिल न होने से इस योजना के लिए आवेदन करना मुश्किल हो रहा था। इसके अलावा देहात क्षेत्र की बेटियों को आवेदन करने के लिए अपने माता या पिता का मनरेगा का जॉब कार्ड का नंबर देना था।इतना ही नहीं मनरेगा में तीन साल किए काम का विवरण भी देना था। गांवों में ऐसे हजारों परिवार हैं, जिनका जॉब कार्ड ही नहीं बना है। इतना ही नहीं कर ग्राम पंचायत में लगातार तीन साल भी मनरेगा योजना के तहत काम नहीं होता।

दोबारा भरना पड़ रहा था फॉर्म

जिन बेटियों की ओर से बाल विकास परियोजनाओं में पुराने प्रारूप पर आवेदन जमा करा दिए गए हैं, उन सभी को भी दोबारा से आवेदन करना पड़ रहा था। पुराने प्रारूप पर जमा कराए गए आवेदन निरस्त माने गए थे। नंदा गौरा योजना के आवेदन पत्र के प्रारूप के साथ बैंक अकाउंट, कृषि भूमि, वाहन सहित कई चीजों की जानकारी अभिलेखों के रूप में मांगी जा रही थी। इससे आवेदन करने वालों को परेशानी हो रही थी। अब विभागीय सचिव को कहा गया है कि पूर्व की व्यवस्था को लागू किया जाए।

- रेखा आर्य मंत्री महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास

यह भरना था नए प्रारूप में विवरण

आवेदन के नए प्रारूप में ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा जॉब कार्ड का नंबर, जॉब कार्ड से तीन साल में पाए गए रोजगार का विवरण, आवेदन करने वाली बेटी के परिवार के लोगों के बैंकों के तीन साल का स्टेटमेंट, खाते नंबर, कृषि भूमि, वाहनों का विवरण, पक्का या कच्चा मकान, कक्षों की संख्या, एरिया और इनका वर्तमान मूल्य की जानकारी देनी थी। पानी और बिजली के तीन महीने के बिलों की प्रति, सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना में परिवार की स्थिति के विवरण का प्रमाणपत्र आदि भी लगाने थे।

मैक्स हॉस्पिटल में जटिल सर्जरी को आसान बनाएगा द विन्सी एक्स सर्जिकल रोबोट

जनरल सर्जरी, ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, मिनिमल एक्सेस, बेरिएट्रिक और गायनोकोलॉजी में होगा प्रयोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 नवम्बर , उत्तराखंड में लीडिंग स्वास्थ्य सेवा देने वाला मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून ने एक नई शुरुआत करते हुए भारत में सबसे उन्नत तकनीकों में से एक, दा विन्सी एक्स सर्जिकल रोबोट को अपने अस्पताल में लॉन्च किया है । इस अत्याधुनिक दा विंची एक्स सर्जिकल रोबोट का शुभारंभ अस्पताल द्वारा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं और रोगियों को सर्वोत्तम इलाज प्रदान करने के लिए एक रोगी-केंद्रित कदम है।द विन्सी एक्स सर्जिकल रोबोट डॉक्टरों को अधिक सटीकता, लचीलेपन और न्यूनतम रक्त हानि के साथ जटिल सर्जरी करने में सक्षम बनाता है। इस तकनीक को ऑन्कोलॉजी, यूरोलॉजी, मिनिमल एक्सेस, बेरिएट्रिक और रोबोटिक सर्जरी और गायनोकोलॉजी सहित विभिन्न सर्जरी के लिए तैनात किया जाएगा। द विन्सी सर्जिकल सिस्टम रोबोट-असिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करने के लिए सर्जनों को उन्नत उपकरण प्रदान करता है। लॉन्च की घोषणा करते हुए, डॉ दीपक गर्ग, - कंसल्टेंट, यूरोलॉजी एंड यूरो-ऑन्कोलॉजी सर्जन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कहाः "हमने मैक्स अस्पताल, देहरादून में विभिन्न विशेषताओं में रोबोटिक सर्जरी शुरू की है। मैक्स हेल्थकेयर में, हम हमेशा नवीनतम तकनीकों और तकनीकों को अपनाने का प्रयास करते हैं। रोबोट असिस्टेड सर्जरी न्यूनतम इनवेसिव हैं, इसलिए मरीज पारंपरिक सर्जरी की तुलना में तेजी से ठीक हो जाते हैं और अस्पताल में ठहरने की अवधि कम हो जाती है। नवीनतम तकनीक, दा विंची एक्स रोबोट से लैस, हमारे सर्जन अब कंप्यूटर-निर्देशित, आवर्धित, 3-डी विज़ुअलाइज़ेशन का उपयोग करके जटिल सर्जरी करेंगे और परिणाम प्रभावशाली होंगे। "

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लॉन्च की घोषणा करते हुए, डॉ दीपक गर्ग, - कंसल्टेंट, यूरोलॉजी एंड यूरो-ऑन्कोलॉजी सर्जन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कहाः "हमने मैक्स अस्पताल, देहरादून में विभिन्न विशिष्टताओं युक्त रोबोटिक सर्जरी शुरू की है। मैक्स हेल्थकेयर में, हम हमेशा नवीनतम तकनीकों को अपनाने का प्रयास करते हैं। रोबोट असिस्टेड सर्जरी न्यूनतम इनवेसिव हैं, इसलिए मरीज पारंपरिक सर्जरी की तुलना में तेजी से ठीक हो जाते हैं और अस्पताल में ठहरने की अवधि कम हो जाती है। नवीनतम तकनीक, द विन्सी एक्स रोबोट से लैस, हमारे सर्जन अब कंप्यूटर-निर्देशित, आवर्धित, 3-डी विज़ुअलाइज़ेशन का उपयोग करके जटिल सर्जरी करेंगे और जिसके परिणाम प्रभावशाली होंगे। " पारंपरिक सर्जरी की तुलना में रोबोटिक सर्जरी के लाभों के बारे में विस्तार से बताते हुए, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, देहरादून में जनरल सर्जरी और मिनिमल एक्सेस सर्जरी के निदेशक, डॉ गुरुप्रसाद पैन्यूली ने कहाः "रोबोटिक सर्जरी सर्जनों को शरीर के कठिन क्षेत्रों तक पहुंचने में मदद करता है। रोबोटिक सर्जरी में, बड़े चीरे के स्थान पर छोटे चीरे लगाए जाते हैं, इसलिए पारंपरिक सर्जरी की तुलना में मरीजों के लिए कम घातक होते है । आज, रोबोटिक सर्जरी को न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी में गोल्ड स्टैण्डर्ड मिला है। इसीलिए आज भारतीय सर्जन अब बेहतर नैदानिक परिणामों के लिए रोबोट-असिस्टेड सर्जरी का विकल्प चुन रहे हैं।"

द विन्सी एक्स रोबोट सर्जनो को तेज सटीकता और लचीलेपन के साथ जटिल सर्जरी करने में सक्षम बनाता है। इस उन्नत तकनीक के साथ, सर्जन उन उपकरणों का उपयोग करके न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी कर सकते हैं जिन्हें वे कंसोल के माध्यम से देख सकते हैं। मैक्स अस्पताल, देहरादून में चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम है जो द विन्सी एक्स रोबोट के साथ सर्जरी करने के लिए सात अलग-अलग विशिष्टताओं के तहत प्रमाणित और प्रशिक्षित हैं। 170से अधिक चिकित्सा विशेषज्ञों, अग्रणी डॉक्टरों, और 300 नर्सों के नर्सिंग स्टाफ के साथ, मैक्स देहरादून अस्पताल का प्रत्येक सदस्य चिकित्सा देखभाल के उच्चतम मानक प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ संदीप सिंह तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून ने कहा, "मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून में हम हमेशा अपने मरीजों की बेहतर उपचार और देखभाल के लिए सर्वश्रेष्ठ और नवीनतम चिकित्सा तकनीक लाने में विश्वास करते हैं। इस नवीनतम रोबोटिक सर्जरी तकनीक की स्थापना निश्चित रूप से हमारे रोगियों को सर्वोत्तम उपचार प्राप्त करने में मदद करेगी जो चिकित्सा विज्ञान विश्व स्तर पर प्रदान करता है। इस नई तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह हमारे डॉक्टरों की क्षमताओं को बढ़ाएगा । इसके साथ, हम अपने उपचार परिणामों को और बेहतर बनाने में सक्षम होंगे।

एसएसपी अजय सिंह के अल्टीमेटम का असर-खुला ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का राज़

एसएसपी हरिद्वार बनते ही अजय सिंह की शार्प पुलिसिंग का इम्पैक्ट देखिये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीती 9 नवंबर को कोतवाली रुड़की के राजविहार कालोनी ढण्डेरा से ग्राम बिजौली जाने वाले चक रोड़ के किनारे गन्ने के खेत में अज्ञात व्यक्ति का शव और एक हेलमेट बरामद हुआ था। मृतक के शरीर पर चोटो के गहरे निशान होने के साथ ही आस-पास काफी खून बिखरा पड़ा था जिससेलग रहा था कि किसी व्यक्ति ने निर्ममता से हत्या की है। आस-पास के लोगों द्वारा शव की शिनाख्त न हो पाने पर फील्ड यूनिट व सी0आई0यू0 रुड़की की टीम को मौके पर बुलाया गया। घटना की जानकारी होने पर एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह ने एसएचओ रुड़की देवेन्द्र सिह चौहान को अज्ञात की पहचान के साथ-साथ हत्या का खुलासा कर घटना में शामिल सभी अज्ञात लोगों को कानून के दायरे में लाने के लिए 48 घंटे का वक्त दिया गया था।

एसपी ग्रामीण एवं सीओ रुड़की विवेक कुमार के नेतृत्व में घटना के खुलासे के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर टास्क बांटा गया। मृतक की फोटो व वीडियों को आस-पास के गांव एवं मोहल्लों में सोशल मिडिया के माध्यम से प्रसारित करने पर आखिरकार मृतक की शिनाख्त सचिन उर्फ काका रुड़की के रुप में हुई। मृतक के परिजनो एवं अन्य कुछ परिचितों से की गई पूछताछ के आधार पर घटना वाले दिन मृतक के साथ शादाब उर्फ पल्कू व आसिफ उर्फ बोन्नी व शेरु उर्फ आमिर के होने की जानकारी मिली।

संदेह के आधार पर उन तीनों को पूछताछ के लिए खोजा गया तो तीनों अपने-अपने घरों से नदारद मिले। इसके बाद पुलिस टीम ने भागने की फिराक में लगे तीनों संदिग्ध को मुखबिर की सूचना पर पकड़ने में कामयाबी मिली। साथ ही घटनास्थल से जा रही संदिग्ध मोटर साईकिल के चालक गौतम पुत्र पवन निवासी कर्नल इन्कलेव रुडकी जनपद हरिद्वार की निशादेही पर मृतक की मोटरसाइकिल को झाडियों से बरामद किया गया।

ये थी हत्या की असल वजह और तरीका -

पूछताछ के दौरान पता चला कि अभियुक्त शादाब उर्फ पल्कू पुत्र नूर हसन निवासी ढण्डेरा रूड़की व मृतक पूर्व में घनिष्ठ दोस्त थे व नशे के आदि थे। करीब 2 वर्ष पूर्व आपसी मनमुटाव के कारण हुए झगडे व कुछ दिन पहले फिर हुआ झगडा कत्ल की वजह बना। 8 नवंबर को शादाब उर्फ पल्कू सचिन को अपने साथ ले गया और सचिन उर्फ काका को ज्यादा नशा कराकर रात्रि के समय सचिन उर्फ काका के सिर और चैहरे पर (चारपाई)लोहे के पाये से वार कर हत्या कर दी। मौके पर पहुंचे शेरू और बोन्नी को मृतक का मोबाइल फोन और पर्स जिसमे 100/-रुपये थे देकर पल्कू ने उनका मुंह बंद कर दिया। मृतक की मोटरसाईकिल आरोपियों ने घटना स्थल पर छोड दी। इस हत्यकांड के तय समय मुईन खुलासे के लिए एसएसपी अजय सिंह की शार्प रणनीति और बेहतरीन टीम के चयन को बताया जा रहा है। लिहाज़ा 48 घंटे के अंदर हत्या का खुलासा करने और जनता की उम्मीद पर खरा उतरने पर एस0एस0पी0 हरिद्वार अजय सिह ने टीम के उत्साहवर्धन हेतु 25 हजार रुपये का नगद इनाम दिया है।

एसएसपी अजय सिंह के नेतृत्व में हरिद्वार पुलिस के तेवर बदलने शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 नवंबर। जनपद में अपने शुरुआती पारी में ही लगातार ₹विभाग एवं समाज में₹ बेहतरी का माहौल बनाने को प्रयासरत एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह ने एक नई पहल की गई है जिसकी पूरे जनपद में चर्चा हो रही है।एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह द्वारा जनपद में कुछ दिन पूर्व हुए मासिक सम्मेलन में कर्मचारीगणों द्वारा भरे सम्मेलन में कई अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या न बता पाने को गंभीरता से लेते हुए तत्समय इस हेतु एक ठोस व्यवस्था बनाने हेतु कहा गया था।एसएसपी अजय सिंह द्वारा जनपद में सिटी एवं देहात क्षेत्र की समस्त महिला कर्मियों की समस्याओं के दृष्टिगत शहर क्षेत्र में शक्ति वाहिनी - एकएवं देहात क्षेत्र मेंशक्ति वाहिनी - दोका गठन किया है।

जिसमें प्रत्येक में सब इंस्पेक्टर स्तर की पुलिस अधिकारी द्वारा महिला कर्मियों की समस्याओं को सुन/समझ कर अपनी टिप्पणी सहित महोदय के अवलोकनार्थ अग्रेषित किया जाएगा।सिटी एवं देहात क्षेत्र की महिला हेल्पलाइन इंचार्ज को इनका प्रभारी बनाया गया है एवं जनपद की शहर एवं देहात क्षेत्र के समस्त महिला कर्मियों को व्हाट्सएप के माध्यम से शक्ति वाहिनी ग्रुप से जोड़ा जा चुका है।

इस नई पहल से जहां एक ओर महिला कर्मियों को अपनी समस्या उच्चाधिकारीगण के समक्ष रखने में आसानी हो जाएगी वहीं उनको लंबी दूरी तय करने के झंझट से भी छुटकारा मिल जाएगा। जनपद में पहली बार महिला कर्मियों के बारे में इस नई पहल से समस्त महिला कर्मियों में उत्साह का संचार हुआ है

इस गांव के खेतों में फसल नहीं अफसरों की फौज उगती हैं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 नवंबर , क्या खेतों में अनाज की बजाय आपने ज्ञान उगते देखा है ? क्या किसानों के गाँव में आपने अफसरों की फौज देखी है / नहीं देखी तो आज हम आपको एक ऐसे अनोखे गांव ले चलते हैं जिसे भारत ही नहीं बल्कि पूरे एशिया में सबसे पढ़ा लिखा गांव माना जाता है। गांव में कई इंग्लिश मीडियम स्कूल हैं। यहां अब खेती नहीं होती, लगभग पूरा गांव नौकरी करता है। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात हैं।

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है Dhorra Mafi का नाम

अलीगढ़ जिले के जवां ब्लॉक में आने वाला धोर्रा माफी गांव का नाम 75 फीसदी से ज्यादा की साक्षरता दर के लिए साल 2002 में 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ। इतना ही नहीं इस गांव का नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए होने वाले सर्वे के लिए भी चुना गया। धोर्रा माफी गांव में पक्के मकान, 24 घंटे बिजली-पानी और कई इंग्लिश मीडियम स्कूल और कॉलेज हैं। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यहां के लोगों की आमदनी का मुख्य स्रोत खेती नहीं बल्कि नौकरियां हैं। इस गांव को भारत ही नहीं

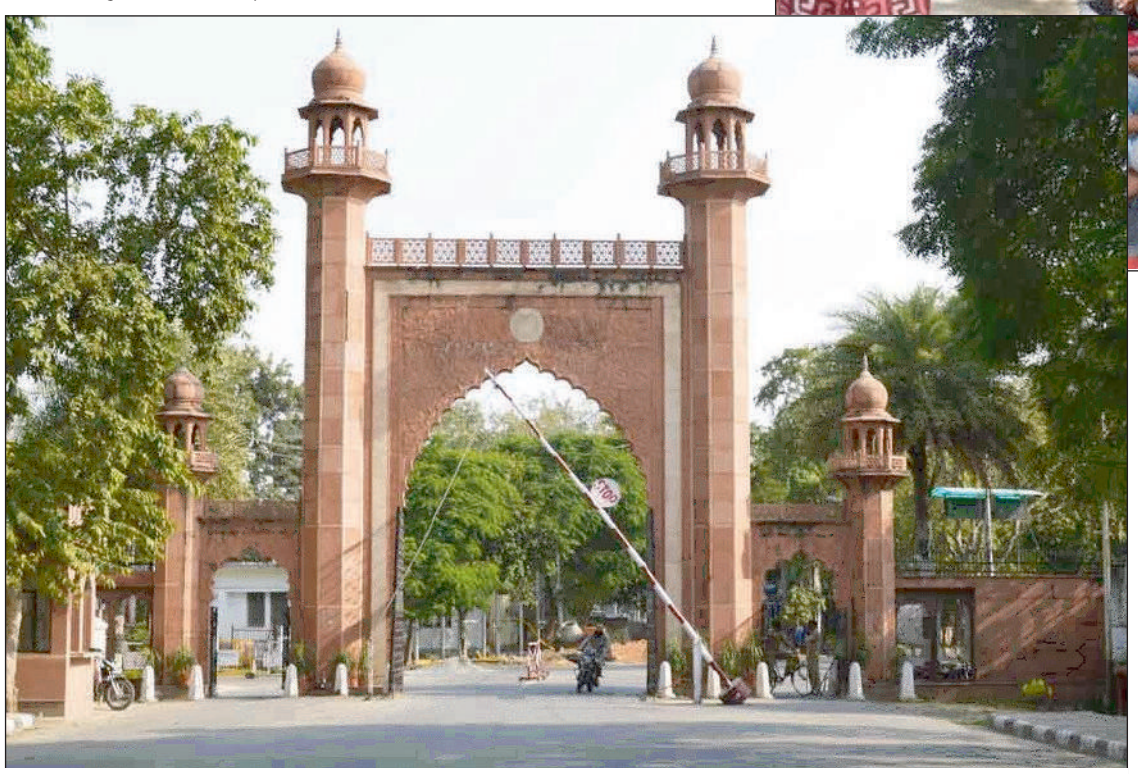

बल्कि पूरे एशिया में सबसे अधिक साक्षर होने का गौरव प्राप्त है।

गांव में नहीं होती खेती

गांव के निवासी प्रमोद कुमार राजपूत ने बताया कि धोर्रा माफी गांव की आबादी करीब 10 से 11 हजार है। उनका कहना है कि गांव में करीब 90 फीसदी से ज्यादा लोग साक्षर हैं। गांव के करीब 80 फीसदी लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात हैं। गांव के कई लोग डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, प्रोफेसर और आईएएस अफसर हैं। ये गांव अलीगढ़ शहर से सटा हुआ है। गांव में 5 साल पहले खेती बंद हो गई है। अब गांव के ज्यादातर लोग नौकरियां कर रहे हैं।

धोर्रा माफी गांव अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से सटा हुआ है। इसके साथ ही गांव में कई स्कूल हैं। प्रमोद ने बताया कि गांव में सरकारी प्राइमरी स्कूल, इकरा पब्लिक स्कूल, एमयू कॉलेज, मून लाइट स्कूल जैसे कई नामी शिक्षण केंद्र हैं। गांव के कॉन्वेंट स्कूलों की तरह ही सरकारी स्कूलों में भी अच्छी पढ़ाई होती है।

दरअसल, ये गांव एएमयू से सटा हुआ है। इसलिए वहां के प्रोफेसर और डॉक्टर्स ने गांव में अपना घर बनाया। धीरे-धीरे इस गांव का माहौल बदला। गांव के लोगों का पढ़ाई की तरफ रुझान बढ़ा। इस गांव के ज्यादातर लोग एएमयू में काम करते हैं। ऐसे गाँव को शाइनिंग उत्तराखंड का सलाम।

श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल का 26वाँ वार्षिकोत्सव आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 14 नवंबर , श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल का 26वाँ वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने माँ शारदा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ अग्रवाल ने विद्यालय के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नंदा देवी राजजात यात्रा रही।शनिवार को आवास विकास स्थित विद्यालय में कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ अग्रवाल के स्वागत में स्वागत गीत विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा योग क्रियाओं की शानदार प्रस्तुति छात्राओं ने दी।

इस मौके पर मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि श्री गुरु राम राय शिक्षा मिशन की स्थापना 1952 में ब्रह्मलीन श्री महंत इंदिरेश चरण दास जी महाराज द्वारा समाज के सभी वर्गों के छात्रों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी। कहा कि आज मिशन के अध्यक्ष, श्री महंत देवेंद्र दास जी महाराज की देखरेख में स्कूल में संस्कारवान शिक्षा दी जा रही है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि ऋषिकेश विधानसभा में स्थित श्री गुरूरामराय विद्यालय शिक्षा के हर मानक पर खरा उतरता है, यहां से शिक्षा लेने वाले बच्चे कभी जिंदगी में असफल नहीं होते। उन्होंने विद्यालय के 26वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर प्रधानाचार्य श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल सुनील कोठारी, पंकज भट्ट, राजेन्द्र पांडेय, पंकज जी, जयानंद कोठारी, वंदना वशिष्ठ, नमिता बोस, पार्षद विकास तेवतिया, मधुबाला भट्ट, राकेश भंडारी, श्रीमान सिंह चौहान, शिखा भट्ट सहित स्कूली बच्चे तथा अभिभावक आदि उपस्थित रहे।

शहीद राकेश डोभाल की शहादत को नमन : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 14 नवंबर , क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने तीर्थ नगरी के शहीद राकेश डोभाल की शहादत पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को डॉ अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि शहीद कभी भी नहीं मरते, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि शहीद सदैव देश की शान के रूप में विराजित रहते हैं। देश और देश की जनता सदैव उन पर गर्व करती है।डॉ अग्रवाल ने कहा कि शहीद राकेश डोभाल एक बहादुर योद्धा थे। उनका अदम्य साहस सदैव अन्य के लिए प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद राकेश डोभाल भारत माता के सच्चे सपूत हैं। डॉ अग्रवाल ने कहा कि देश की सीमा पर तैनात सैनिक रोल मॉडल होता है, देश की सुरक्षा उनके हाथों में होने के कारण ही हम आज खुले में सांस ले पा रहे है।गौरतलब है कि 13 नवंबर 2020 को बारामूला में तैनात गंगानगर, ऋषिकेश निवासी सब इंस्पेक्टर राकेश डोभाल दुश्मनों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। पाक गोलाबारी में बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर राकेश के सिर में गोली लगी। इलाज के दौरान उनका अस्पताल में निधन हो गया।वह वर्ष 2004 में बीएसएफ में भर्ती हुए थे। वर्तमान में वे सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे।

संपादकीय

पर्यावरण एवं उद्योग

देशों और शहरों की तरह दुनियाभर में बड़ी औद्योगिक एवं कारोबारी कंपनियों ने अपने स्तर पर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने का संकल्प लिया है. लेकिन वास्तविकता यह है कि इन संकल्पों को लेकर उनकी समुचित प्रतिबद्धता नहीं हैं. मिस्र के शर्म अल-शेख में चल रहे जलवायु सम्मेलन को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कंपनियों के व्यवहार की विसंगतियों को रेखांकित किया है. उन्होंने कहा है कि एक तरफ तो कंपनियां उत्सर्जन घटाने और निर्धारित समय के भीतर उसे शून्य के स्तर पर लाने की बातें करती हैं, लेकिन दूसरी तरफ वे जीवाश्म ईंधनों में निवेश करती हैं, अपनी गतिविधियों से वनों का क्षरण करती हैं तथा उत्सर्जन घटाने के बजाय बढ़ाती हैं. जैसा कि गुटेरेस ने कहा है कि उत्सर्जन कम करने के झूठे वादे निंदनीय हैं. इस तरह की प्रवृत्तियों पर रोक लगाना आवश्यक है. उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित बिंदुओं के अनुसार शहरों और क्षेत्रों को अपने संकल्पों की समीक्षा कर एक साल के भीतर रिपोर्ट देनी चाहिए. यह स्वागतयोग्य है कि अनेक देशों और क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन एवं उपभोग को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है तथा उसके परिणाम भी संतोषजनक हैं. उदाहरण के तौर पर भारत में सौर ऊर्जा पैनलों को लगाने का काम बहुत तेजी से बढ़ रहा है तथा इलेक्ट्रॉनिक वाहनों में भी लोगों की दिलचस्पी में बढ़ोतरी हो रही है. लेकिन एक देश या कुछ क्षेत्र की ऐसे उपलब्धियों से ही जलवायु परिवर्तन और धरती का तापमान बढ़ने की गंभीर चुनौतियों का समाधान संभव नहीं है. उत्सर्जन कम करने के प्रयास हर स्तर पर होना चाहिए. इसमें शहरों और उद्योगों की अग्रणी भूमिका होनी चाहिए क्योंकि तापमान बढ़ने के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार यही हैं. स्थिति यह है कि एक ओर उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी नहीं आ रही है, पर दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से ने इसे घटाने का कोई-न-कोई संकल्प लिया हुआ है. आगामी दशकों में अगर उत्सर्जन के स्तर को शून्य तक लाना है, तो उत्सर्जन में लगातार बड़ी कमी करनी होगी तथा स्वच्छ ऊर्जा में निवेश बढ़ाना होगा. एक बड़ी समस्या यह है कि कंपनियां इस दिशा में क्या कर रही हैं, उसका आकलन कर पाना बहुत कठिन है. इसके लिए पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता है. कंपनियों के कहे पर भरोसा करना दुनिया के लिए आत्मघाती होगा. पेरिस समझौते में यह निर्णय लिया गया था कि पूर्व औद्योगिक स्तर से तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है. इसके लिए 2030 तक उत्सर्जन को आधा करना होगा. आशा है कि उद्योग जगत अपने उत्तरदायित्व को ठीक से निभायेगा.

रणदीप भाटी गैंगस्टर गिरोह के 3 सक्रिय शूटर गिरफ्तार

पिस्टल एवं तमंचे व भारी मात्रा में कारतूस बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 नवम्बर , पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार के निर्देशों के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल एस. टी. एफ. ने उत्तराखंड में गैंगस्टर एवं बड़े अपराधियों की निगरानी रखने एवं उनके सक्रिय सदस्यों की पहचान कर उनके विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश अपनी एस.टी. एफ. टीमों को दिए गए थे, जिसके क्रम में एसटीएफ टीम द्वारा उत्तराखंड एवं अन्य राज्यों के कई गैंगस्टर एवं बड़े अपराधियों जो कि उत्तराखंड में सक्रिय रहे हैं, की निगरानी की जा रही थी । इसी क्रम में 12 नवंबर को एसटीएफ को सूचना प्राप्त हुई कि दिल्ली का रणदीप भाटी गिरोह जो नोएडा एनसीआर दिल्ली में सक्रिय रहता है एवं अपहरण एवं फिरौती, हत्या जैसी संगीन वारदातों को अंजाम देता आ रहा है । रणदीप भाटी गिरोह के कुछ शार्प शूटर देहरादून में कोई बड़ी वारदात करने की फिराक में है और देहरादून आ रहे हैं।इस सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन के नेतृत्व में एसटीएफ की चार टीम देहरादून आने वाले सभी रास्तों के बॉर्डर पर चेकिंग एवं निगरानी करने लगी जिसमे टीम -1 रायवाला बॉर्डर टीम -2 धर्मावाला बॉर्डर टीम-3 अशारोड़ी बॉर्डर टीम-4 कुल्हालबॉर्डर पर चेकिंग करने लगी । रात्रि करीब 11:00 बजे आशा रोड़ी पर एसटीएफ के उपनिरीक्षक विपिन बहुगुणा, उप निरीक्षक नरोत्तम बिष्ट के नेतृत्व में तैनात टीम को एक काले रंग की स्कार्पियो आती दिखाई दी।

सूचना के अनुसार उक्त स्कॉर्पियो का अशारोड़ी से पीछा किया गया एवं ट्रांसपोर्ट नगर के पास उक्त स्कॉर्पियो को टीम द्वारा रोककर चेकिंग की गई, तो काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में तीन व्यक्ति मौजूद मिले, जिनको एसटीएफ टीम टीम द्वारा चारों तरफ से घेर कर पकड़ा गया, पकड़ने के बाद तीनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनके पास से 02 पिस्टल एवं 01 तमंचा भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुए हैं । जिस पर तीनों व्यक्तियों की आर्म्स एक्ट में गिरफ्तारी की गई है। तीनों से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि रणदीप भाटी गिरोह के सदस्य हैं एवं नोएडा के बीटू थाने से वांछित चल रहे हैं। गिरफ्तार अभियुक्त हरपाल द्वारा बताया गया कि 3 अक्टूबर को हम तीनों लोगों द्वारा नोएडा बीटू थाना क्षेत्र में रणदीप भाटी के कहने पर सांगा पंडित नामक व्यक्ति का अपहरण कर उसे जान से मारने का प्रयास किया गया था, जिसमें वे तीनों लोग वांछित चल रहे हैं।

गैंगस्टर रणदीप भाटी का मुख्य शूटर हरपाल माह फरबरी वर्ष 2022 में अमन नाम के एक कॉल सेंटर संचालक का अपहरण कर 25 लाख रु की फिरौती मांगी की थी, जिसे बाद में थाना हरी नगर पुलिस दिल्ली द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था व गिरफ्तार एक अन्य शूटर गौरव चंदीला भी फरवरी 2020 में थाना सेक्टर - 58, बिशनपुरा से हत्या के प्रयास में जेल जा चुका है । तीनों अभियुक्तों ने बताया कि आजकल पैसे की काफी तंगी चल रही थी, तथा नोएडा वह दिल्ली में पकड़े जाने का डर था, जिस कारण से कोई बड़ी लूट की वारदात करने की योजना बनाकर देहरादून आए थे, इसके लिए देहरादून में दो-तीन दिन रुक कर रेकी करके लूट करने की योजना बनाई थी।

गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ टीम द्वारा तीनों सक्रिय अपराधियों को थाना क्लेमेंटटाउन में ले जाकर पूछताछ कर अन्य जानकारी हासिल की जा रही है। गौरतलब है कि गैंगस्टर सुंदर भाटी का अनिल दुजाना /रणदीप भाटी गैंग से काफी समय आपस में गैंगवार चल रहा है । जिसमें सुंदर भाटी गिरोह के मुख्य शूटर अशोक निवासी हापुर उत्तर प्रदेश व 5 अन्य के द्वारा रणदीप भाटी गिरोह के एक शूटर संजय नागर निवासी गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश का नालापानी रोड, रायपुर देहरादून में सुबह 9:00 बजे के करीब कई राउंड गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिस संबंध में थाना रायपुर में मुकदमा अपराध संख्या 13 /14 धारा 302 आईपीसी पंजीकृत किया गया था। वर्तमान में अब रणदीप भाटी एवं अनिल दुजाना की भी आपस में रंजिश चल रही है।

गिरफ्तार अपराधियों के नाम1– हरपाल पुत्र रामकिशन निवासी ग्राम गुजरमाजरी,थाना बाबल, जनपद रेवाड़ी हरियाणा ।2 – गौरव कुमार चंदीला पुत्र सुखवीर चंदीला निवासी ग्राम भतौला थाना खेड़ीपुल, फरीदाबाद हरियाणा ।3 – गौरव कुमार पुत्र कृपाल सिंह निवासी ग्राम भगोट, थाना चांदीनगर, बागपत, उत्तर प्रदेश। बरामदगी - दो पिस्टल, एक तमंचा एवं 12 जिंदा कारतूस अपराधिक इतिहास-तीनों व्यक्तियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है जिनके विरुद्ध दिल्ली एनसीआर में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं हरपाल भाटी गिरोह का मुख्य शार्प शूटर है।

SSP श्वेता चौबे के निर्देशन में वारंटियों के खिलाफ हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाईयां

जनपद की श्रीनगर पुलिस ने किया गैर राज्य बिजनौर वारंटियों के घर कुर्की की कार्यवाही

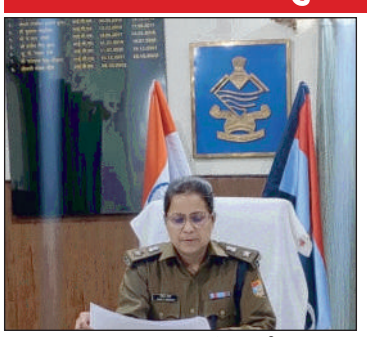

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी गढ़वाल श्वेता चौबे द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल पुलिस के समस्त थाना प्रभारियों को माननीय न्यायालय से जारी गैर जमानती वारण्टियों को गिरफ्तार करने के लिए अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी कड़ी में अपर पुलिस अधीक्षक शेखर चन्द्र सुयाल के निर्देशन, पुलिस उपाधीक्षक श्रीनगर श्याम दत्त नौटियाल के पर्यवेक्षण, प्रभारी निरीक्षक हरिओम राज चौहान एवं SI प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा (1) वाद संख्या 04/2017. धारा-2/3 गैंगस्टर एक्ट बनाम रिजवान आदि, थाना श्रीनगर, जनपद पौड़ी गढ़वाल, (2) अभियुक्त रईस पुत्र अब्दुल हसन, निवासी-सद्दोबेर खां, थाना-सिहोरा, जिला-बिजनौर के विरुद्ध गैंगस्टर न्यायालय, देहरादून द्वारा जारी एनबीडब्ल्यू, धारा 82/83 सीआरपीसी के तहत अभियुक्त के मकान पर दबिश दी गई जहां अभियुक्त नहीं मिला। न्यायालय द्वारा जारी धारा-83 सीआरपीसी पर थाना सिहोरा (उत्तर प्रदेश) से पुलिस बल लेकर ग्राम प्रधान दिनेश कुमार एवं अन्य गवाहों की उपस्थिति में माननीय न्यायालय के आदेश पर दोनों अभियुक्तों के घर पर कुर्की की कार्यवाही की गई, कुर्की सुधा संपत्ति को ग्राम प्रधान दिनेश कुमार एवं अन्य गवाहो बलवंत सिंह एवं हरी किशन को बाद हिदायत सुपुर्द किया गया।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

एचआईएचटी में मनाया गया डॉ. स्वामी राम का महासमाधि दिवस

सामाजिक कार्यों को समर्पित संस्था 'महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, लेह लद्दाख' को स्वामी राम मानवता पुरस्कार-2022 प्रदान किया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डोईवाला , 14 नवम्बर , एचआईएचटी संस्थापक डॉ.स्वामी राम जी का 27वां महासमाधि दिवस समारोह भव्यता के साथ मनाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कहा कि स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जॉलीग्रांट में अध्यात्म, स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा का गढ़ है। रविवार को एचआईएचटी संस्थापक डॉ.स्वामीराम के 27वें महासमाधि दिवस पर आयोजित समारोह में उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने कहा कि 'प्रेम, सेवा व स्मरण' की मूल भावना के उद्देश्य से डॉ.स्वामी राम ने 1989 में हिमालयन इंस्टिट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट (एचआईएचटी) की स्थापना की। एचआईएचटी के अध्यक्षीय समिति के सदस्य व स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय जॉलीग्रांट के कुलपति डॉ.विजय धस्माना ने एचआईएचटी के गौरवमयी इतिहास पर प्रकाश डाला साथ ही भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी दी। डॉ.धस्माना ने कहा कि ट्रस्ट स्वामी जी के उद्देश्य के अनुसार ही जन सेवा के पथ पर अग्रसर है।

संस्थान के 31 कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया

इस दौरान एचआईएचटी के वार्षिक कैलेंडर-2023 का विमोचन भी किया गया। समारोह के आखिर में प्रति कुलपति डॉ.विजेंद्र चौहान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद दोपहर में आयोजित भंडारे में करीब छह हजार लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले स्वामी राम सेंटर में ट्रस्ट के संस्थापक ब्रह्मलीन डॉ.स्वामीराम को श्रद्धांजलि दी गई।

इस दौरान स्वामी राम साधक ग्राम के प्रमुख स्वामी ऋतुवान भारती, कुलाधिपति डॉ.मोहन स्वामी, विक्रम सिंह, डॉ.प्रकाश केशवया, डॉ.रेनू धस्माना, कुलसचिव डॉ.सुशीला शर्मा, डॉ.एसएल जेठानी, डॉ.अशोक देवराड़ी, डॉ.राजेंद्र डोभाल, डॉ.मुश्ताक अहमद आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ.ज्योति द्विवेदी ने किया।

एसआरएचयू बेस्ट इंप्लवाई अवॉर्ड-2022

बेस्ट टीचर अवॉर्ड- डॉ.नादिया शिराज़ी (एचआईएमएस), डॉ.कंचन बाला (एचसीएन)बेस्ट रिसर्चर अवॉर्ड- डॉ.सुनील कुमार सैनी (एचआईएमएस)बेस्ट क्लीनिशियन अवॉर्ड- डॉ.अनिल रावत (बाल रोग विभाग, हिमालयन हॉस्पिटल)बेस्ट नर्सिंग अवॉर्ड- विनोद जुयाल, विकास टोंगरा, उमा प्रसाद, एमपी उनियाल, विजय लक्ष्मी, तृष्णा पॉलबेस्ट पैरामेडिकल अवॉर्ड- संजय थपलियाल, अनिता महर, पंकज घिल्डियाल, पवन कुमार नवानी, सुशील किशोरबेस्ट ऑफिस स्टाफ अवॉर्ड- पूजा रावत, दुर्गा प्रसाद उनियाल, एसएल भट्ट, विशाल चुग, सुभाष कुमार तोमर, पितांबर दत्त, रजनी शर्मा, नेहा बडोला, वैभव बडोनीबेस्ट सपोर्टिंग स्टाफ अवॉर्ड– कैलाश चंद्र बमराड़ा, रोहित खड़का, भगत सिंह राणा, प्रेरणा जोशी, मस्त राम उनियाल, दिनेश नेगी, दिनेश सिंह रावत

'महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, लेह लद्दाख' को स्वामी राम मानवता पुरस्कार-2022

-पुरस्कार के तौर पर पांच लाख रुपए, प्रशस्ति पत्र और गोल्ड मेडल प्रदान किया गयाडोईवाला- वर्ष 2003 से हिमालयन इंस्टिट्यूट हॉस्पिटल ट्रस्ट (एचआईएचटी) देशभर में आर्थिक, पर्यावरण, विज्ञान संबंधी, सामाजिक व आध्यात्मिक क्षेत्र में समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली किसी एक प्रतिष्ठित संस्था अथवा व्यक्ति को स्वामी राम मानवता पुरस्कार प्रदान कर रहा है।

एचआईएचटी के अध्यक्षीय समिति के सदस्य व एसआरएचयू जॉलीग्रांट के कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने बताया कि इस वर्ष स्वामी राम मानवता पुरस्कार-2022 सामाजिक व अध्यात्मिक कार्यों को समर्पित संस्था 'महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, लेह लद्दाख' संस्था को प्रदान किया गया है। पुरस्कार के तौर पर उन्हें पांच लाख रुपए, प्रशस्ति पत्र और गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। 1986 में महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र की स्थापना भिक्खु संघसेना द्वारा की गई।

भिक्खु संघसेना का जन्म लद्दाख के हिमालयी क्षेत्र में हुआ था। 17 साल की उम्र में वे भारतीय सेना में शामिल हुए। 1977 में सेना छोड़ प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान व आचार्य बुद्धरखिता महाथेरा, महाबोधि सोसाइटी विहार, बैंगलोर के मठाधीश के समर्पित शिष्य बन गए। एमआईएमसी का देवाचन परिसर 250 एकड़ भूमि में फैला हुआ है।

एमआईएमसी वंचित बच्चों को सुरक्षित आश्रय और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बीमार, वृद्जनों और जरूरतमंदों के लिए स्वास्थ्य देखभाल मुहैया करवाता है। इसके अलावा महिलाओं और अन्य सामाजिक रूप से वंचित समूहों के लिए साक्षरता और सशक्तिकरण कार्यक्रम चला रहा है। एमआईएमसी दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू और भारत के अन्य शहरों में उच्च अध्ययन करने वाले सैकड़ों छात्रों का भी मदद करता है। इन मानवीय गतिविधियों के अलावा, एमआईएमसी दुनिया भर में सत्य और शांति के हजारों साधकों को लाभान्वित करने वाले विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम भी आयोजित करता है। एमआईएमसी के आदर्शों के प्रति उनके समर्पण के सम्मान में, भिक्खू संघसेना को कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। जिसमें गांधी शांति फाउंडेशन से विश्व शांति पुरस्कार-2004, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री से राजीव गांधी पुरस्कार-2006, अश्वगोशा बौद्ध फाउंडेशन ने शाक्यमुनि बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार-2009, राष्ट्रपति की ओर से राष्ट्रपति प्रशस्ति पुरस्कार, सेव द वर्ल्ड फाउंडेशन थाईलैंड की ओर से वर्ल्ड पीस एंबेसडर अवार्ड-2014, इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड-2020 और योग के विकास और संवर्धन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार-2021 से सम्मानित हुए हैं।

> परम श्रद्धेय गुरूदेव डॉ.स्वामी राम ने शिक्षा एंव स्वास्थ्य के माध्यम से समाज को जो दिशा दी वह बेमिसाल है। विज्ञान व अध्यात्म के बल पर सामाजिक सेवा का उच्च उदाहरण स्वामी जी ने दिया। वह हमेशा से समाज के लिए प्रेरणा रहे हैं और रहेंगे। उनके नाम से सम्मान पाना मेरे लिए लिए गर्व की बात है। समाज सेवा के लिए हमारी प्रतिबद्धता और मजूबत होगी।
>
> **– भिक्खु संघसेना, संस्थापक, महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र**

> 'एचआईएचटी संस्थापक डॉ.स्वामी राम जी विश्व की धरोहर हैं। स्वामी जी मानवता सेवा के वह संवाहक रहे। मझे पूरा विश्वास है कि स्वामी जी तपस्थली में निर्मित एसआरएचयू में छात्र-छात्राओं को मेडिकल, नर्सिंग, पैरामेडिकल, इंजीनियर व मैनेजमेंट की ही शिक्षा नहीं दी जाती बल्कि उन्हें संस्कारवान शिक्षा (वैल्यु बेस्ड एजुकेशन) भी दी जाती है।
>
> **-ऋतु खण्डूड़ी भूषण, विधानसभा अध्यक्ष, उत्तराखंड**

> 'एचआईएचटी की पहचान गुरुदेव स्वामी राम जी की तपस्थली के रुप में है। स्वामी जी की विचारधारा 'योगः कर्मसु कौशलम्' के ध्येय के साथ सामाजिक उत्थान में एचआईएचटी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उनके विचारों को आत्मसात कर नव भारत के निर्माण को नया स्वरूप दिया जा सकता है।
>
> **-डॉ.विजय धस्माना, कुलपति, एसआरएचयू**

राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप : चमोली की मानसी ने वॉकरेस में जीता गोल्ड, अब तक हासिल किए दो पदक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोपेश्वर(चमोली), 13 नवंबर। गुवाहाटी में चल रही 37वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चमोली की मानसी नेगी ने जूनियर महिला वर्ग (अंडर 20 वर्ष) की वॉकरेस में राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया है। मानसी ने 10,000 मीटर वॉकरेस 47 मिनट 30 सेकेंड में पूरी की और स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले उनका कीर्तिमान इसी रेस में 47 मिनट 59 सेकेंड का था। मानसी अभी तक इस चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी है। मानसी नेगी इस चैंपियनशिप में उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उप क्रीड़ा अधिकारी देहरादून व मानसी के कोच अनूप बिष्ट ने बताया कि मानसी नेगी चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

वह वर्ष 2018 से महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स एक्सलेंसी सेंटर देहरादून में वॉकरेस का प्रशिक्षण ले रही हैं। चमोली खेल विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विक्रम सिंह चौधरी ने बताया कि मानसी का खेलों के प्रति गहरा लगाव है। वह अभी तक कई बार राष्ट्रीय स्तर पर वॉकरेस में बेहतर प्रदर्शन कर चुकी हैं। मानसी की इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों में उत्साह है।